<u>कृपया मानव एकता गीत अपनी - अपनी संगतो में सुनायें।</u>

सदा ही रहेगा ये एहसान हम पर मेरे गुरूबचन
ये सारा जहाँ ही ऋणी आपका है मेरे गुरूबचन

दी इन्सान को उसकी पहचान तुमने - 2
बनाया है इंसा को इन्सान तुमने
धरम क्या है अपना, करम क्या है अपना - 2
तुम्ही ने बताया मेरे गुरूबचन। सदा ही रहेगा ये एहसान ..... (१)

है अपना ये जीवन दिया दान तुमने - 2
हमारे लिए ये बलिदान तुमने
मोहब्बत में ढलकर, अहिंसा पे चलकर - 2
सिखाया हमें ये मेरे गुरूबचन। सदा ही रहेगा ये एहसान ..... (२)

फर्जों को निभाया करम करते जाना - 2
सिखाया गृहस्थी भक्ति से सजाना
बहनों का आदर, बुजूर्गों का आदर - 2
तुम्ही ने सिखाया मेरे गुरूबचन। सदा ही रहेगा ये एहसान ..... (३)

सादा शादियों का चलन है चलाया - 2
नशे के कहर से घरों को बचाया
न झुठे आडम्बर न भरमों के चक्कर - 2
सभी से छुडाया मेरे गुरूबचन। सदा ही रहेगा ये एहसान ..... (४)

(तर्जः ये रातें, ये मौसम, नदी का किनारा....)